सीएमडी संवाद

भूपेन्द्र गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

"उत्कृष्टता कोई संयोग नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास है।"
-डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

प्रिय एसजेवीएनाइट्स,

एसजेवीएन ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 1000 मेगावाट बीकानेर सौर विद्युत परियोजना के उद्घाटन के साथ अपनी नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। एसजीईएल द्वारा लगभग 5,492 करोड़ रुपए के निवेश से 5,000 एकड़ क्षेत्र में विकसित यह परियोजना एकल स्थान पर घरेलू सामग्री आवश्यकता (डीसीआर) श्रेणी के अंतर्गत भारत की सबसे बड़ी एकल ईपीसी सौर परियोजना है। परियोजना प्रचालन अवधि के प्रथम वर्ष में लगभग 2,454.84 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन तथा 25 वर्षों की प्रचालन अवधि के दौरान लगभग 56,482.14 मिलियन यूनिट स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की संभावना है। यह परियोजना अपनी प्रचालन अवधि के दौरान लगभग 2.79 बिलियन किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में न्यूनता लाएगी। परियोजना में लगभग 24.22 लाख स्वदेशी रूप से निर्मित डीसीआर सौर मॉड्यूल तथा लगभग 17.5 करोड़ स्वदेशी सौर सेल का उपयोग किया गया है, जो भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' पहलों को विशेष रूप से बढावा देती है।

मैं श्री राजेश कुमार चंदेल को एसजेवीएन के निदेशक (परियोजनाएँ) का पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई देता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनका व्यापक अनुभव, तकनीकी विशेषज्ञता तथा जटिल विद्युत परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन में सिद्ध हुई नेतृत्व क्षमता कंपनी की विकास यात्रा को सुदृढ़ करेगी तथा हमारे पोर्टफोलियो के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

एसजेवीएन को भारत सरकार के सचिव (विद्युत) श्री पंकज अग्रवाल, अपर सचिव (हाइड्रो) श्री दिवाकर नाथ मिश्रा तथा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के सदस्य (हाइड्रो) श्री मिलिंद गणेश गोखले का एसजेवीएन की जलविद्युत परियोजनाओं एवं कारपोरेट मुख्यालय के दौरे के दौरान स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। टीम एसजेवीएन की प्रचालन उत्कृष्टता के प्रति उनकी सराहना, सामूहिक समर्पण एवं अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सचिव (विद्युत) की अध्यक्षता में आयोजित तिमाही निष्पादन समीक्षा बैठक के दौरान प्रचालन दक्षता में वृद्धि, परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन में तीव्रता लाने तथा विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के साथ समन्वय को और सुदृढ़ बनाने के संबंध में प्राप्त मार्गदर्शन अत्यंत मूल्यवान रहा।

हाल ही में नेपाल यात्रा के दौरान, मुझे नेपाल सरकार के माननीय मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों से 900 मेगावाट अरुण-3 जलविद्युत परियोजना तथा 669 मेगावाट लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना के क्रियान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा करने का अवसर प्राप्त हुआ। बैठक अरुण-3 जलविद्युत परियोजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति, संबंधित ट्रांसमिशन अवसंरचना, समयबद्ध सांविधिक स्वीकृतियां तथा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्रॉस-बोर्डर हाइड्रो परियोजनाओं के सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए विभिन्न एजेंसियों के मध्य प्रभावी समन्वय पर केन्द्रित रही। माननीय मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सफल कमीशनिंग के लिए नेपाल सरकार द्वारा निरंतर सहयोग का आश्वासन दिलाया, जिससे स्वच्छ एवं सतत ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-नेपाल साझेदारी और सुदृढ़ होगी।

प्रचालन उत्कृष्टता एवं परिसंपत्तियों के सर्वोत्तम उपयोग के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता से हमारे सभी प्रचालनरत विद्युत स्टेशनों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त हो रही हैं। इसी क्रम में नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन ने अपनी प्रचालन यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए 4 जुलाई 2026 को 39.571 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन के साथ अपने इतिहास का दूसरा सर्वाधिक एक-दिवसीय ऊर्जा उत्पादन दर्ज किया।

एसजेवीएन ने अपनी आगामी लूहरी-1, धौलासिद्ध एवं सुन्नी बांध जलविद्युत परियोजनाओं के लिए जीयूवीएनएल के साथ विद्युत क्रय करारों पर हस्ताक्षर कर अपने दीर्घकालिक विद्युत पोर्टफोलियो को और अधिक सुदृढ़ बनाया है। ये करार देश की अग्रणी विद्युत वितरण एवं उपयोगिता कंपनियों के साथ एसजेवीएन की दीर्घकालिक विद्युत विक्रय व्यवस्थाओं को मजबूत करते हैं तथा भारत के स्वच्छ, हरित एवं अधिक सुदृढ़ ऊर्जा भविष्य की दिशा में परिवर्तनकारी प्रयासों में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में एसजेवीएन की भूमिका को सशक्त बनाते हैं।

एसजेवीएन अपनी हाइड्रो एवं थर्मल परियोजनाओं के पोर्टफोलियो में निरंतर गति से सुदृढ़ हो रही है और इस दौरान काफी प्रगति हुई है। 900 मेगावाट के अरुण-3 एचईपी परियोजना का कुल 76% कार्य पूर्ण किया हो गया है। एचआरटी की खुदाई का कार्य पूर्ण हो गया है तथा इसकी लाइनिंग का कार्य प्रगति पर है। विद्युत गृह कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य अग्रिम चरण में हैं तथा इलेक्ट्रो-मैकेनिकल उपकरणों की स्थापना का कार्य जारी है। बांध की कंक्रीटिंग का कार्य प्रगति पर है।

इसके अतिरिक्त, प्रेशर शाफ्ट में फेरूल लगाने का कार्य भी प्रगति पर है।

382 मेगावाट सुन्नी बांध जलविद्युत परियोजना में बाँध की खुदाई ईएल 632 मीटर तक पूर्ण कर ली गई है। इसके अतिरिक्त स्टिलिंग बेसिन, इनटेक संरचना, विद्युत गृह कैवर्न, ट्रांसफॉर्मर हॉल कैवर्न तथा टेल रेस टनल की खुदाई का कार्य प्रगति पर है। 210 मेगावाट लूहरी चरण-I जलविद्युत परियोजना में दिनांक 12.05.2026 को कॉफर डैम के पुनर्निर्माण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। 66 मेगावाट धौलासिद्ध जलविद्युत परियोजना में अब तक कुल 80 प्रतिशत प्रगति हासिल की है। परियोजना में बाँध एवं विद्युत गृह की कंक्रीटिंग के साथ-साथ स्पाइरल केस, रेडियल गेट तथा पेनस्टॉक की स्थापना का कार्य भी निरंतर प्रगति पर है।

1320 मेगावाट बक्सर ताप विद्युत परियोजना में इकाई-2 को दिनांक 08.05.2026 को सफलतापूर्वक ग्रिड के साथ सिंक्रोनाइज कर दिया गया है। परियोजना के कमीशनिंग की दिशा में शेष सभी कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं।

हमारा नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो निरंतर प्रगति कर रहा है, जिसमें अनेक सौर ऊर्जा परियोजनाओं ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं तथा वे निष्पादन की दिशा में तीव्रता से अग्रसर हैं। 50 मेगावाट एपीडीसीएल सोनितपुर एसपीपी निष्पादन के अंतिम चरण में पहुँच गई है; जिसमें मॉड्यूल माउंटिंग संरचनाओं, सौर मॉड्यूलों की स्थापना, डीसी केबलिंग, प्रमुख संयंत्र उपकरणों की स्थापना का अधिकांश कार्य पूर्ण हो गया है और ट्रांसमिशन लाइन संबंधी कार्यों में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 75 मेगावाट जमुई चरण-I एसपीपी परियोजना के अंतर्गत बैलेंस ऑफ सिस्टम से संबंधित सभी प्रमुख कार्य, ट्रांसमिशन अवसंरचना तथा अधिकांश संयंत्र एवं ट्रांसमिशन प्रणाली परीक्षण पूर्ण किए जाने सहित कमीशनिंग के अंतिम चरण में हैं। परियोजना के कमीशनिंग के उपरांत तत्काल विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 75 मेगावाट के लिए बीएसपीएचसीएल के साथ अल्पकालिक विद्युत क्रय करार भी सुनिश्चित किया गया है। 200 मेगावाट जीयूवीएनएल चरण-XVII खावड़ा सौर विद्युत परियोजना में अब तक लगभग 48 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है।

एसजेवीएन में, सतत विकास का अर्थ केवल विश्वस्तरीय अवसंरचना का निर्माण करना ही नहीं है। हमारी परियोजनाओं के आसपास रहने वाले समुदायों की सुरक्षा एवं कल्याण सुनिश्चित करना भी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन ने राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण के सहयोग से सामुदायिक आपदा तैयारी को सुदृढ़ बनाने के लिए एक व्यापक 'डैम सेफ्टी अवेयरनेस प्रोग्राम' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों, स्थानीय प्रशासन, विद्यार्थियों तथा स्थानीय निवासियों की सक्रिय भागीदारी ने आपदा प्रबंधन एवं बाढ़ सुरक्षा के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व के महत्व को प्रभावी रूप से रेखांकित किया।

हमारे कर्मचारी एसजेवीएन की प्रगति और सफलता की वास्तविक शक्ति हैं तथा युवा प्रतिभाओं में निवेश करना भविष्य के लिए सक्षम एवं सशक्त संगठन के निर्माण में हमारे विजन का अभिन्न अंग है। इसी क्रम में 71 कामगार प्रशिक्षुओं के नए बैच ने एसजेवीएन परिवार का हिस्सा बनकर हमारे कार्यबल को और अधिक सुदृढ़ किया है तथा संगठन के साथ अपनी यात्रा का शुभारंभ किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनकी प्रतिभा, उत्साह एवं प्रतिबद्धता, उत्कृष्टता हमारे सामूहिक लक्ष्य को मजबूत बनाएँगे।

लगभग चार दशकों की एसजेवीएन की यात्रा उत्कृष्टता तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। कंपनी का 39वाँ स्थापना दिवस हम सभी के लिए गर्व और आभार का विशेष अवसर रहा। इस अवसर ने हमें अपनी अब तक की यात्रा को याद करने, सामूहिक उपलब्धियों का उत्सव मनाने तथा उन कर्मचारियों को सम्मानित करने का अवसर प्रदान किया, जिनके समर्पण ने एसजेवीएन की सफलता को आकार दिया है। आगे बढ़ते हुए, आइए हम इस विरासत को और ऊंचाइयों तक ले जाने के अपने संकल्प में एकजुट रहें।

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति ने बिहार स्थित 1320 मेगावाट बक्सर ताप विद्युत परियोजना तथा उत्तराखंड स्थित 60 मेगावाट नैटवाड़ मोरी जलविद्युत परियोजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, एसजेवीएन ने सरकारी कामकाज में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए की जा रही अपनी प्रमुख पहलों को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। इन उल्लेखनीय प्रयासों की सराहना करते हुए बीटीपीपी तथा एनएमएचपीएस दोनों को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

स्वच्छता पखवाड़ा-2026 में एसजेवीएन के कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है। अलग-अलग जागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रमों में हमारे कर्मचारियों के साथ-साथ छात्रों तथा स्थानीय समुदायों के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी ने सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ किया। आइए, हम स्वच्छता को केवल एक अभियान तक ही नहीं ; बल्कि अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लें।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारत एवं नेपाल स्थित एसजेवीएन के सभी कार्यालयों तथा परियोजनाओं में टीम एसजेवीएन की उत्साहपूर्ण सहभागिता अत्यंत प्रेरणादायक रही। योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं है, बल्कि यह संतुलित जीवन, सजगता और आंतरिक शक्ति प्राप्त करने का प्रभावी मार्ग भी है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाएं तथा स्वस्थ शरीर और सुदृढ़ एवं संतुलित मन के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहें।

पर्यावरण की सुरक्षा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सतत एवं सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक साझा संकल्प है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, पर्यावरण संरक्षण का संकल्प और पर्यावरण-विषयक प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी, सतत विकासोन्मुख जीवनशैली को अपनाने के हमारे साझा संकल्प को दर्शाती है।

किसी भी संगठन की सफलता का वास्तविक पैमाना न केवल उसकी उपलब्धियाँ हैं, बल्कि समाज पर उसका सकारात्मक प्रभाव भी है। कारपोरेट मुख्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में कर्मचारियों, उनके परिजनों, सतलुज श्री लेडीज क्लब की सदस्यों और संविदारत कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप 200 यूनिट से अधिक रक्त एकत्र किया गया।

भविष्य की ओर अग्रसर होते हुए, मैं प्रत्येक एसजेवीएनाइट्स से उत्कृष्टता, नवाचार एवं टीम भावना के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता पर अडिग रहने का आग्रह करता हूँ। भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने तथा स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में देश के परिवर्तनकारी अभियान को गति प्रदान करने में योगदान देना हमारा दायित्व भी है और विशेषाधिकार भी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि एसजेवीएन टीम निरंतर नई ऊँचाइयाँ हासिल करती रहेगी तथा माननीय प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी।

भूपेन्द्र गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक